

ऐसा है मेरा श्याम

प्रेमी की आँखों में ये आँसू , आने ना देता
ऐसा है मेरा श्याम
होटों की हसी को मेरी बाबा , जाने ना देता
ऐसा है मेरा श्याम

जब गम के बादल भी , तेरे सिर पे छा जाये
संकट हो कैसे भी , मेरे श्याम आ जाये
बनकर के उजाला हाथों को वो लेता है जब थाम
ऐसा है मेरा श्याम

हारा हुआ जो भी , दर पे आ जाता है
खाली झोली लाता , भर कर ले जाता है
बिना बोले ही वो कर देता है , सबके बिगड़े काम,
ऐसा है मेरा श्याम

ये प्रेम का का धागा , जो तुमसे जोड़ा है
विश्वास अनुज का तो , तुमने न तोड़ा है
रख लेता है वो तो अपने सब , भक्तों का ही मान,
ऐसा है मेरा श्याम
भजन लेखक अनुज जैन

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36838/title/aisa-hai-mera-shyam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |